लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम द ट्रिब्यून

दिनांक 28/9/19 पृष्ठ सं 2 कॉलम 7-8

TWO HAU STUDENTS GET NSS AWARD

Hisar: Two students of Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University students — Charan Singh and Rohit — have received the NSS national award for 2017-18. President Ram Nath Kovind on Thursday conferred the students with a medal, a certificate and a cash prize of Rs 50,000 each. Congratulating the students on their achievement, HAU Vice-Chancellor Prof KP Singh highlighted the students' contribution in Pulse Polio Immunisation programme, blood donation camps and plantation and cleanliness drives.

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक जागरण
दिनांक 30/9/19 पृष्ठ सं 5 कॉलम 1-5

सार्थक पहल | हिसार में पांच एकड़ जमीन पर छह करोड़ रुपये से तैयार किया जा रहा बायोगैस प्लांट

एचएयू पराली और फूड वेस्ट से बनाएगी बिजली

जागरण विशेष

जागरण संवाददाता, हिसार : पराली की समस्या से निपटने के लिए हिसार स्थित चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) देश का सबसे बड़ा मैकेनाइज्ड बायोगैस प्लांट लगा रहा है। इसमें पराली, कृषि वेस्ट और विश्वविद्यालय कैंपस से निकलने वाले फूड वेस्ट से हर रोज करीब 100 किलोवाट बिजली का उत्पादन होगा। साथ ही हर रोज पांच टन आर्गेनिक खाद भी प्राप्त होगी। पं. दीन दयाल उपाध्याय सेंटर आफ एक्सीलेंस फार आर्गेनिक फ़ार्मिंग के तहत पांच एकड़ में छह करोड़ रुपये की लागत से बनाया जा रहा यह प्लांट इस साल के अंत तक या अगले साल की शुरूआत में काम करना शुरू कर देगा। एचएयू प्रशासन के अनुसार प्लांट से जो बिजली पैदा की जाएगी, उसका उपयोग विश्वविद्यालय कैंपस में किया जाएगा। जो बिजली बचेगी उसे बिजली निगम को ट्रांसफर कर दिया जाएगा।

हिसार के एचएयू में लग रहा देश का सबसे बड़ा बायोगैस संयंत्र।

कुछ किसान एकत्रित होकर अपने गांव में बॉयो गैस प्लांट लगा सकते हैं। वे गांव में ही पशुओं के गोबर, कृषि वेस्ट आदि से बायोगैस का उत्पादन कर सकते हैं। यह गैस पाइप लाइन से उनके घरों में पहुंचेगी तो ईंधन का भार भी कम पड़ेगा। प्लांट से जो जैविक खाद मिलेगी वह खेतों में प्रयोग करें।

प्रो. केपी सिंह, कुलपति, चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय।

यह होगी प्लांट की विशेषताएं

- प्लांट क्षमता- 100 किलोवाट
- फीड इनपुट - 10 टन प्रतिदिन
- सब्सट्रेस - गोबर, फूड वेस्ट, फसल अवशेष (पराली)
- बायोगैस उत्पादन- दो लाख घन मीटर प्रतिदिन
- कुल ऊर्जा उत्पादन - 2,236 मेगावाट आवर प्रति वर्ष
- कुल विद्युत उत्पादन- 800 मेगावाट आवर प्रति वर्ष
- थर्मल क्षमता- 128 किलोवाट
- कुल ताप उत्पादन- 992 मेगावाट आवर प्रति वर्ष
- अनुकूलित जैविक खाद- पांच टन प्रतिदिन।

हर साल जलती है 22 लाख टन पराली : मौजूदा समय में हरियाणा के लिए सबसे अधिक चुनौती पराली जलाने से होने वाले प्रदूषण है। हर साल लगभग 22 लाख टन पराली खेतों में जलाई जाती है, जो कैंसर और फेफड़ों की बीमारियों का कारण बनती है। एक टन पराली को जलाने पर 60 किलो कार्बन मोनो आक्साइड, साढ़े 14 किलो कार्बनडाइ ऑक्साइड, 199 किलो राख और दो किलो सल्फर डाइआक्साइड गैस निकलती है।

पराली नहीं जलाएंगे पर्यावरण बचाएंगे

घुट रहा पर्यावरण का दम

जास, लुधियाना : पराली न जलाए जाने के लिए हो रहे प्रयास अपना रंग दिखा रहे हैं परंतु जागरूक किसानों के बीच अब भी हजारों की संख्या में किसान पराली जलाने से तौबा नहीं कर रहे हैं। किसानों का एक बड़ा वर्ग पराली को आग के हवाले कर रहा है। सूबे में करीब 30 लाख हेक्टेयर रकबे में धान की खेती से करीब 22 लाख टन पराली पैदा हो रही है। किसान धान की फसल को तो मुनाफे के लिए काट रहे हैं लेकिन फसल के अवशेष आग के हवाले कर रहे हैं। धान की पैदावार के बाद गेंहू की बिजाई में जल्दबाजी ही इसका बड़ा कारण बनती है। गेंहू की बिजाई के लिए पर्याप्त समय होता है परंतु किसान नहीं चाहते कि उनके खेत अधिक समय तक खाली रहें।

लोक संपर्क कार्यालय

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम........हरी भूमि........

दिनांक....28/9/19.......... पृष्ठ सं....14.......... कॉलम....4-6....

डॉ. समुंद्र सिंह ने लिया मलेशिया में आयोजित कॉन्फ्रेंस में भाग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के एग्रोनॉमी के विभागाध्यक्ष डॉ. समुंदर सिंह को एशियन पैसिफिक वीड साइंस सोसाइटी की आयोजन समिति ने 27 वें एपीडब्लयूएसएस कॉन्फ्रेंस 2019 में प्लेनरी स्पीकर के रूप में आमंत्रित किया गया। वीड साइंस फॉर सस्टेनेबल विषय पर आयोजित यह कॉन्फ्रेंस मलेशिया में आयोजित हुई।

डॉ. सिंह ने गेहूं में इकोलॉजी और फालारिस माइनर के प्रबंधन पर अपना व्याख्यान दिया। सम्मेलन में दुनिया भर के 25 देशों के 330 प्रतिभागियों ने भाग लिया। डॉ. समुंदर सिंह को सम्मेलन के उद्घाटन सत्र के अध्यक्ष होने का सम्मान भी मिला। इंटरनेशनल वीड साइंस सोसाइटी के अध्यक्ष (चुनाव) के रूप में, उन्होंने बैंकॉक, थाईलैंड में जून में 2020 कांग्रेस के संगठन के बारे में इंटरनेशनल वीड साइंस सोसायटी के निदेशक मंडल की बैठक में भाग लिया। भारत में हर्बिसाइड रेजिस्टेंस मैनेजमेंट में उनके महत्वपूर्ण शोध के आधार पर, उन्हें साइंटिफिक प्रोग्राम कमेटी द्वारा एशिया में हर्बिसाइड रेजिस्टेंस पर एक प्लेनरी पेपर प्रस्तुत करने और नवीन प्रबंधन रणनीतियों के लिए आमंत्रित किया जाता है।

डॉ. सिंह को एशियन पैसिफिक वीड साइंस सोसायटी की जनरल बॉडी मीटिंग में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया था, जिसने 2021 में थाईलैंड में चियांग माई और 2023 में नानजिंग, चीन में अगली बैठक आयोजित करने का निर्णय लिया था।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम पंजाब केसरी

दिनांक 28/9/19 पृष्ठ सं. 5 कॉलम 1-2

गेहूं में इकोलॉजी और फालारिस माइनर के प्रबंधन पर दिया व्याख्यान

हिसार, 27 सितम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के एग्रोनॉमी के विभागाध्यक्ष डा. समुंद्र सिंह को एशियन पैसिफिक वीड साइंस सोसाइटी की आयोजन समिति ने 27वें ए.पी.डब्ल्यू.एस.एस. कान्फ्रैंस 2019 में प्लेनरी स्पीकर के रूप में आमंत्रित किया गया। वीड साइंस फॉर सस्टेनेबल विषय पर आयोजित यह कांफ्रैंस मलेशिया में आयोजित हुई।

डा. सिंह ने गेहूं में इकोलॉजी और फालारिस माइनर के प्रबंधन पर अपना व्याख्यान दिया। सम्मेलन में दुनिया भर के 25 देशों के 330 प्रतिभागियों ने भाग लिया। डा. समुंदर सिंह को सम्मेलन के उद्घाटन सत्र के अध्यक्ष होने का सम्मान भी मिला।

इंटरनैशनल वीड साइंस सोसाइटी के अध्यक्ष (चुनाव) के रूप में, उन्होंने बैंकॉक, थाईलैंड में जून में 2020 कांग्रेस के संगठन के बारे में इंटरनैशनल वीड साइंस सोसायटी के निदेशक मंडल की बैठक में भाग लिया।

भारत में हर्बिसाइड रैजिस्टैंस मैनेजमैंट में उनके महत्वपूर्ण शोध के आधार पर, उन्हें साइंटिफिक प्रोग्राम कमेटी द्वारा एशिया में हर्बिसाइड रैजिस्टैंस पर एक

डा. समुंदर सिंह कान्फ्रैंस को संबोधित करते हुए।

प्लेनरी पेपर प्रस्तुत करने और नवीन प्रबंधन रणनीतियों के लिए आमंत्रित किया जाता है। डा. सिंह को एशियन पैसिफिक वीड साइंस सोसायटी की जनरल बॉडी मीटिंग में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया था, जिसने 2021 में थाईलैंड में चियांग माई और 2023 में नानजिंग, चीन में अगली बैठक आयोजित करने का निर्णय लिया था। वह ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, चीन, चैक गणराज्य, डेनमार्क, भारत (8 अंतरराष्ट्रीय + 25 राष्ट्रीय), इंडोनेशिया, इजरायल (2), जापान, मलेशिया (2), स्पेन, दक्षिण कोरिया, यू.के. (5) में 70 सम्मेलनों में भाग ले चुके हैं तथा यू.एस.ए. (19) जहां उन्होंने मौखिक (लीड / आमंत्रित और पूर्ण) और पोस्टर पेपर प्रस्तुत किए।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम अमर उजाला, दैनिक भास्कर

दिनांक 28/9/19 पृष्ठ सं 2, 3 कॉलम 1-2, 2

एचएयू के वैज्ञानिक ने मलयेशिया में दिया व्याख्यान

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के एग्रोनॉमी के विभागाध्यक्ष डॉ. समुंदर सिंह को एशियन पैसिफिक वीड साइंस सोसाइटी की आयोजन समिति ने 27वें एपीडब्ल्यूएसएस कांफ्रेंस 2019 में प्लेनरी स्पीकर के रूप में आमंत्रित किया। वीड साइंस फॉर सस्टेनेबल विषय पर आयोजित यह कांफ्रेंस मलेशिया में आयोजित हुई। डॉ. सिंह ने गेहूं में इकोलॉजी और फालारिस माइनर के प्रबंधन पर अपना व्याख्यान दिया। सम्मेलन में दुनिया भर के 25 देशों के 330 प्रतिभागियों ने भाग लिया। डॉ. समंदर सिंह को सम्मेलन के उद्घाटन सत्र के अध्यक्ष होने का सम्मान भी मिला। इंटरनेशनल वीड साइंस सोसाइटी के अध्यक्ष (चुनाव) के रूप में, उन्होंने बैंकॉक, थाइलैंड में जून में 2020 कांग्रेस के संगठन के बारे में इंटरनेशनल वीड साइंस सोसायटी के निदेशक मंडल की बैठक में भाग लिया। भारत में हर्बिसाइड रेजिस्टेंस मैनेजमेंट में उनके महत्वपूर्ण शोध के आधार पर, उन्हें साइंटिफिक प्रोग्राम कमेटी द्वारा एशिया में हर्बिसाइड रेजिस्टेंस पर एक प्लेनरी पेपर प्रस्तुत करने और नवीन प्रबंधन रणनीतियों के लिए आमंत्रित किया जाता है।

मलेशिया में डॉ. समुंदर सिंह कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए।

डॉ. समुंदर सिंह ने मलेशिया में हुई कॉन्फ्रेंस में हिस्सा लिया

हिसार| एचएयू के एग्रोनॉमी के विभागाध्यक्ष डॉ. समुंदर सिंह को एशियन पैसिफिक वीड साइंस सोसाइटी की आयोजन समिति ने 27वें एपीडब्लयूएसएस कॉन्फ्रेंस 2019 में प्लेनरी स्पीकर के रूप में आमंत्रित किया। वीड साइंस फॉर सस्टेनेबल विषय पर आयोजित यह कॉन्फ्रेंस मलेशिया में हुई। जिस पर उन्होंने विचार रखे। डॉ. सिंह ने गेहूं में इकोलॉजी और फालारिस माइनर के प्रबंधन पर अपना व्याख्यान दिया। सम्मेलन में दुनियाभर के 25 देशों के 330 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। डॉ. समुंदर सिंह को सम्मेलन के उद्घाटन सत्र के अध्यक्ष होने का सम्मान मिला।

लोक संपर्क कार्यालय

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम ...नित्य शान्ति टाईम्स...

दिनांक ...27/9/19... पृष्ठ सं. ...7... कॉलम ...1-3...

डॉ. समुंदर सिंह 27वें एपीडब्लयूएसएस कॉन्फ्रेंस 2019 में प्लेनरी स्पीकर के रूप में आमंत्रित

हिसार, 27 सितम्बर (निस)। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के एग्रोनॉमी के विभागाध्यक्ष डॉ. समुंदर सिंह को एशियन पैसिफिक वीड साइंस सोसाइटी की आयोजन समिति ने 27वें एपीडब्लयूएसएस कॉन्फ्रेंस 2019 में प्लेनरी स्पीकर के रूप में आमंत्रित किया गया। वीड साइंस फॉर सस्टेनेबल विषय पर आयोजित वह कांफ्रेंस मलेशिया में आयोजित हुई।

डॉ. सिंह ने गेहूं में इकोलॉजी और

डॉ. सिंह ने गेहूं में इकोलॉजी और फालारिस माइनर के प्रबंधन पर अपना व्याख्यान

फालारिस माइनर के प्रबंधन पर अपना व्याख्यान दिया। सम्मेलन में दुनिया भर के 25 देशों के 330 प्रतिभागियों ने भाग लिया। डॉ. समुंदर सिंह को सम्मेलन के उद्घाटन सत्र के अध्यक्ष होने का सम्मान भी मिला। इंटरनेशनल वीड साइंस सोसाइटी के अध्यक्ष (चुनाव) के

रूप में, उन्होंने बैंकॉक, थाईलैंड में जून में 2020 कांग्रेस के संगठन के बारे में इंटरनेशनल वीड साइंस सोसायटी के निदेशक मंडल की बैठक में भाग लिया।

भारत में हर्बिसाइड रेजिस्टेंस मैनेजमेंट में उनके महत्वपूर्ण शोध के आधार पर, उन्हें साइंटिफिक प्रोग्राम कमेटी द्वारा एशिया में हर्बिसाइड रेजिस्टेंस पर एक प्लेनरी पेपर प्रस्तुत करने और नवीन प्रबंधन रणनीतियों के लिए आमंत्रित किया जाता है।

डॉ. सिंह को एशियन पैसिफिक वीड साइंस सोसायटी की जनरल बॉडी मीटिंग में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया था, जिसने 2021 में थाईलैंड में चियांग माई और 2023 में नानजिंग, चीन में अगली बैठक आयोजित करने का निर्णय लिया था। वह ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, चीन, चेक गणराज्य, डेनमार्क, भारत (8 अंतरराष्ट्रीय + 25 राष्ट्रीय), इंडोनेशिया, इजरायल (2), जापान, मलेशिया (2), स्पेन, दक्षिण कोरिया, यूके (5) में 70 सम्मेलनों में भाग ले चुके हैं तथा यूएसए (19) जहां उन्होंने मौखिक (लीड / आमंत्रित और पूर्ण) और पोस्टर पेपर प्रस्तुत किए। वह पहले भारतीय हैं जिन्हें 2015 में वीड साइंस सोसाइटी ऑफ अमेरिका द्वारा मानद फेलो के रूप में और दो बार इंटरनेशनल वाइड साइंस सोसाइटी द्वारा उत्कृष्ट उपलब्धि पुरस्कार (2012 में हांग्जो, चीन और 2016 में प्राग, चेक गणराज्य) द्वारा सम्मानित किया गया था।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम सिटी प्लस

दिनांक 27/9/19 पृष्ठ सं. 3 कॉलम 1-2

एचएयू के डॉ. समुंदर सिंह ने एपीडब्लयूएसएस कॉन्फ्रेंस 2019 में बतौर प्लेनरी स्पीकर के रूप में लिया भाग

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के एग्रोनॉमी के विभागाध्यक्ष डॉ. समुंदर सिंह को एशियन पैसिफिक वीड साइंस सोसायटी की आयोजन समिति ने 27वें एपीडब्लयूएसएस कॉन्फ्रेंस 2019 में प्लेनरी स्पीकर के रूप में आमंत्रित किया गया। वीड साइंस फॉर सस्टेनेबल विषय पर आयोजित यह काफ्रेंस मलेशिया में आयोजित हुई।

डॉ. सिंह ने गेहूं में इकोलॉजी और फालारिस माइनर के प्रबंधन पर अपना व्याख्यान दिया। सम्मेलन में दुनियाभर के 25 देशों के 330 प्रतिभागियों ने भाग लिया। डॉ. समुंदर सिंह को सम्मेलन के उद्घाटन सत्र के अध्यक्ष होने का सम्मान भी मिला। इंटरनेशनल वीड साइंस सोसायटी के अध्यक्ष (चुनाव) के रूप में, उन्होंने बैंकॉक, थाईलैंड में जून में 2020 कांग्रेस के संगठन के बारे में इंटरनेशनल वीड साइंस सोसायटी के निदेशक मंडल की बैठक में भाग लिया। भारत में हर्बिसाइड रेजिस्टेंस मैनेजमेंट में उनके महत्वपूर्ण शोध के आधार पर उन्हें साइंटिफिक प्रोग्राम कमेटी द्वारा एशिया में हर्बिसाइड रेजिस्टेंस पर एक प्लेनरी पेपर प्रस्तुत करने और नवीन प्रबंधन रणनीतियों के लिए आमंत्रित किया जाता है।

डॉ. सिंह को एशियन पैसिफिक वीड साइंस सोसायटी की जनरल बॉडी मीटिंग में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया था, जिसने 2021 में थाईलैंड में चियांग माई और 2023 में नानजिंग, चीन में अगली बैठक आयोजित करने का निर्णय लिया था। वह पहले भारतीय हैं जिन्हें 2015 में वीड साइंस सोसाइटी ऑफ अमेरिका द्वारा मानद फेलो के रूप में और दो बार इंटरनेशनल वाइड साइंस सोसाइटी द्वारा उत्कृष्ट उपलब्धि पुरस्कार (2012 में झांग्जो, चीन और 2016 में प्राग, चेक गणराज्य) द्वारा सम्मानित किया गया था।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक भास्कर

दिनांक 28/9/19 पृष्ठ सं 2 कॉलम 1-2

पॉलीथिन से होने वाले नुकसान पर प्रकाश डाला

हिसार| एचएयू ने कृषि प्रणाली परियोजना के तहत क्षेत्र के गांव पीली मंदोरी में प्रधानमंत्री द्वारा शुरू किए गए 'स्वच्छता ही सेवा' कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सामान्य सफाई के साथ-साथ प्लास्टिक/पॉलीथिन के इस्तेमाल न करने बारे जागरूक करना था। मुख्य सस्य वैज्ञानिक डॉ. पवन कुमार ने प्लास्टिक/पॉलीथिन से होने वाले नुकसान पर प्रकाश डाला। डॉ. धीरज पंघाल ने किसानों को स्वच्छ भारत अभियान में भागीदारी के लिए किसानों को गड्ढे में गोबर की खाद बनाने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर विभाग के कृषि निरीक्षक शादीलाल, गया लाल, महेन्द्र सिंह, गांव के सरपंच मौजूद रहे।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम हैलो हिसार

दिनांक 27/9/19 पृष्ठ सं. 3 कॉलम 1-4

हकृवि ने गांव पीली मंदोरी में स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया

हिसार: 27 सितंबर चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सस्य विज्ञान विभाग ने समन्वित कृषि प्रणाली परियोजना के तहत गांव पीली मंदोरी व भटपुर में, प्रधानमंत्री द्वारा शुरू किए गए 'स्वच्छता ही सेवा' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सामान्य सफाई के साथ-साथ प्लास्टिक/पोलीथीन के इस्तेमाल न करने संबंधी अभियान बारे जागरूक करना था।राष्ट्रीय कार्यक्रम 'स्वच्छता ही सेवा' के उद्देश्यों के बारे में बताते हुए मुख्य सस्य वैज्ञानिक डॉ. पवन कुमार ने प्लास्टिक/पोलीथीन से होने वाले नुकसान पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया पोलीथीन फसल उत्पादन, पशुधन एवं ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में जल निकासी के लिए मुख्य समस्या बन गई है। इससे वायु व जल प्रदूषण भी होता है। पोलीथीन शहर व गांव के नजदीक कृषि योग्य जमीन पर डाल दिया जाता है, या हवा में उड़कर आ जाता है, जिससे फसल पैदावार के लिए भूमि तैयार करने में कठिनाई आती है।

डॉ पवन ने बताया कि इधर-उधर पड़े पोलीथीन को पशु, खासकर गाय खा लेती है, जिससे वह उसके पेट में इकट्ठा हो जाता है तथा पशु की सेहत को प्रभावित करता है। प्राय: देखा गया है कि पोलीथीन खाने से पशु की मृत्यु भी हो जाती है। पोलीथीन जल निकासी के लिए बनी नालियों में फस जाता है व प्रदूषण फैलाता है। इसलिए प्लास्टिक/पोलीथीन का प्रयोग बंद करें व अपने स्तर पर इधर-उधर पड़े प्लास्टिक/पोलीथीन को उठाकर गहरे गड्ढे में दबा दें। डॉ. धीरज पंघाल ने किसानों से प्लास्टिक की पलवार (मल्च) का प्रयोग न करके कृषि अवशेषों का पलवार के रूप में प्रयोग करने व इसके लाभ के बारे में बताया। उन्होंने स्वच्छ भारत अभियान में भागीदारी के लिए किसानों को गड्ढे में गोबर की खाद बनाने के लिए प्रेरित किया।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम सीटी प्लस
दिनांक 27/9/19 पृष्ठ सं 5 कॉलम 5-8

पीली मंदोरी व भरपूर में, प्रधानमंत्री द्वारा शुरू किए गए 'स्वच्छता ही सेवा' कार्यक्रम का आयोजन

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सस्य विज्ञान विभाग ने समन्वित कृषि प्रणाली परियोजना के तहत गांव पीली मंदोरी व भरपूर में, प्रधानमंत्री द्वारा शुरू किए गए 'स्वच्छता ही सेवा' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सामान्य सफाई के साथ-साथ प्लास्टिक/पोलीथीन के इस्तेमाल न करने संबंधी अभियान बारे जागरूक करना था।

राष्ट्रीय कार्यक्रम 'स्वच्छता ही सेवा' के उद्देश्यों के बारे में बताते हुए मुख्य सस्य वैज्ञानिक डॉ. पवन कुमार ने प्लास्टिक/पोलीथीन से होने वाले नुकसान पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया पोलीथीन फसल उत्पादन, पशुधन एवं ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में जल निकासी के लिए मुख्य समस्या बन गई है। इससे वायु व जल प्रदूषण भी होता है। पोलीथीन शहर व गांव के नजदीक कृषि योग्य जमीन पर डाल दिया जाता है, या हवा में उड़कर आ जाता है, जिससे फसल पैदावार के लिए भूमि तैयार करने में कठिनाई आती है।

हिसार। कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारीगण व ग्रामीण।

डॉ. पवन ने बताया कि इधर-उधर पड़े पोलीथीन को पशु, खासकर गाय खा लेती है, जिससे वह उसके पेट में इकट्ठा हो जाता है तथा पशु की सेहत को प्रभावित करता है। प्रायः देखा गया है कि पोलीथीन खाने से पशु की मृत्यु भी हो जाती है। पोलीथीन जल निकासी के लिए बनी नालियों में फस जाता है व प्रदूषण फैलाता है। इसलिए प्लास्टिक/पोलीथीन का प्रयोग बंद करें व अपने स्तर पर इधर-उधर पड़े प्लास्टिक/पोलीथीन को उठाकर गहरे गड्ढे में दबा दें।

डॉ. धीरज पंघाल ने किसानों से प्लास्टिक की पलवार (मल्च) का प्रयोग न करके कृषि अवशेषों का पलवार के रूप में प्रयोग करने व इसके लाभ के बारे में बताया। उन्होंने स्वच्छ भारत अभियान में भागीदारी के लिए किसानों को गड्ढे में गोबर की खाद बनाने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर विभाग के कृषि निरीक्षक शादीलाल, गया लाल, महेन्द्र सिंह, गांव के सरपंच, किसान, ग्रामीण महिलाएं तथा युवा व बच्चे उपस्थित थे।